



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-05-2025

खेरी(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-05-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-05-17	2025-05-18	2025-05-19	2025-05-20	2025-05-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	2.0	9.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	41.0	41.0	41.0	39.0	39.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	26.0	26.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	56	53	62	80	81
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	31	21	27	45	46
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	14	20	18	16
पवन दिशा (डिग्री)	98	103	114	106	99
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	1	3	4
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण 19-21 मई, 2025 को हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39.0-41.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 3-4°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 25.0-26.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 3-4°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 53-81 तथा 21-46% के मध्य है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व है तथा हवा की गति 11.0-20.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 8-10 किमी प्रति घंटा अधिक गति से चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-21 मई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर आंधी, बिजली गिरने तथा तेज हवाएं चलने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

19 से 21 मई, 2025 के बीच गरज और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना को देखते हुए, खड़ी जायद फसलों में सिंचाई कार्य स्थगित रखें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी सब्जियों एवं फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। खेत में कार्य करते समय सिर पर गमछा बांधें एवं पानी की बोतल अवश्य साथ में रखें। भीषण गर्मी को देखते हुए पशुओं को दिन में 3-4 बार पानी पिलायें और सुबह-शाम नहलायें। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग-अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करें, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ों को धोकर नहा लेना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

19 से 21 मई, 2025 के बीच गरज और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना को देखते हुए, खड़ी जायद फसलों में सिंचाई कार्य स्थगित रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	वर्षा न होने की स्थिति में, मक्के की फसल जीरा निकलने/भुट्टा बनने/दाना भरने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील है। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। मक्के की फसल में तना बेधक/प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 200 ग्राम/हेक्टेयर अथवा डाइमैथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	वर्षा न होने की स्थिति में, उर्द की फसल फूल से फली बनने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील है। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। उर्द की फसल में फली बेधक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 220 ग्राम/हेक्टेयर या डाइमैथोएट 30% ई.सी. 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
मूँग	वर्षा न होने की स्थिति में, मूँग की फसल में आवश्यकतानुसार 10-12 दिन के अन्तराल पर हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाए रखें। मूँग की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाइमैथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	वर्षा न होने की स्थिति में, खेत की जुताई करके ही खरीफ मक्का की बुवाई हेतु तैयारी करें, तथा उन्नत अनुशासित संकुल किस्मों- कंचन, गौरव, स्वेता, आजाद उत्तम तथा संकर किस्मों- प्रकाश, वार्ड-1402, बायो-9681, प्रो-316, डी-9144, डिकल्ब-7074, पी.एच.बी-8144, डेक्कन 115, एम.एम.एच-133 आदि में से किसी एक की बुवाई हेतु उर्वरक एवं बीज की व्यवस्था करें। मक्का की संकुल किस्मों की बुवाई हेतु 20-25 किग्रा. बीज/हेक्टेयर तथा शंकर किस्म की बुवाई हेतु 18-20 किग्रा. बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	कद्दू, लौकी, तरोई, करेला, ककड़ी, खीरा, तरबूज व खरबूजा आदि तैयार फसलों की कटाई कर बाजार भेजें। सब्जी फसलों में फल छेदक/पत्ती छेदक कीट की रोकथाम के लिए नीम तेल 1.5-2.0

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर वर्षा न होने की स्थिति में 8-10 दिन के अंतराल पर 3-4 छिड़काव करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई-गुड़ाई करें तथा शाम के समय 8-10 दिन के अंतराल पर सिंचाई का कार्य करें।
आम	नये बागों की रोपाई के लिए गड्डों की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफ्थलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधे या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधे क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती हैं। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ा की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ा की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	गेहूँ व अन्य फसलों से खाली खेतों की गहरी जुताई डिस्क प्लाउ से करें ताकि जमीन के अन्दर छिपे हुए हानिकारक कीटों के अण्डे व लार्वा धूप में नष्ट हो जायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-21 मई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर आंधी, बिजली गिरने तथा तेज हवाएं चलने की चेतावनी है।
--

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

19 से 21 मई, 2025 के बीच गरज और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना को देखते हुए, खड़ी जायद फसलों में सिंचाई कार्य स्थगित रखें।
--

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>